रूस में तख्तापलट व गृहयुद्ध की स्थिति, वैगनर लड़कों ने मॉस्को की तरफ बढ़ना शुरु किया

- पुतिन ने वैगनर ग्रुप को मॉस्को की तरफ बढ़ने से रोकने के लिए बम, टैंक तथा हर प्रकार की दमनात्मक कार्रवाई की स्वीकृति दी
- आपको बता दें कि, रूस में वैगनर ग्रुप के लड़ाकों के रूप में जेल में बंद कैदियों को तैयार किया जाता हैं। रूस की सरकार ने यूक्रेन युद्ध लड़ने के लिए वैगनर लड़ाकों की फौज तैयार की थी।

मॉस्को, 24 जून। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। रूस के वैगनर ग्रुप के मुखिया येवगेनी प्रिगोझिन ने रूसी रक्षा मंत्रालय के खिलाफ बगावत कर दी है। वैगनर ग्रुप के लड़ाके रूस की राजधानी मॉस्को की तरफ बढ़कर तख्तापलट करने की कोशिशों में जुट गये हैं। राष्ट्रपति पुतिन ने वैगनर ग्रुप के लड़ाकों को मास्को की ओर बढ़ने से रोकने के लिए उन पर हर प्रकार की दमनात्मक कार्रवाई के आदेश दिये हैं।

पुतिन ने शनिवार को रूसी सशस्त्र बलों को वैगनर निजी सैन्य समूह के सशस्त्र विद्रोह करने वालों को बेअसर करने का आदेश दिया। आपको बता दें कि, रूस में वैगनर ग्रुप के लड़ाकों के रूप में जेल में बंद कैदियों को तैयार किया जाता हैं। रूस की सरकार ने यूक्रेन युद्ध लड़ने के लिए वैगनर लड़कों की फौज तैयार की थी। रूस की सरकार के लिए ये वैगनर लड़ाके एक प्रकार से किराये के सैनिक होते हैं जो अब खुद राष्ट्रपति पुतिन के खिलाफ विद्रोह की शुरुआत कर चुके हैं।

पुतिन ने टेलीविजन पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए वैगनर निजी सैन्य समूह को बेअसर करने की बात कही है। उन्होंने कहा यह रूस और हमारे लोगों के लिए एक झटका है और मातृभूमि को ऐसे खतरे से बचाने के लिए हमारे कार्य बल माकूल जवाब देने के लिए तैयार हैं। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए कुछ वीडियो में वैगनर ग्रुप के मुखिया प्रिगोझिन ने रूस के रक्षा मंत्री को पद से हटाने का एलान किया है। इसके अलावा, उन्होंने रूसी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय रोस्तोव-ऑन-डॉन पर कब्जा करने के लिए अपने लड़ाकों को भी रवाना कर दिया है।

पुतिन ने कहा, वे सभी जो जानबूझकर विश्वासघात के रास्ते पर चल रहे है, जो सशस्त्र विद्रोह की तैयारी में लगे है तथा ब्लैकमेल करने और आतंकवादी रास्ते पर चल रहे है। उन्हें अपरिहार्य सजा भुगतनी होगी और कानून के सामने तथा हमारे लोगों के सामने जवाब देना होगा।

राष्ट्रपति पुतिन ने कहा, मैं उन लोगों से आग्रह करता हूं जिन्हें इस अपराध में घसीटा जा रहा है, वे सभी इस तरह की गलती न करें, बल्कि एकमात्र सही विकल्प चुनें - आपराधिक कृत्यों में भाग लेना बंद करें।

रूस की राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी समिति ने आज घोषणा की कि वैगनर निजी सैन्य समूह पर सशस्त्र संगठित करने की कोशिश करने का आरोप लगने के बाद संभावित आतंकवादी कृत्यों को रोकने के लिए मॉस्को शहर, मॉस्को क्षेत्र और वोरोनिश क्षेत्र में आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन शुरू किया गया है।

इमरान प्रतापगढ़ी देश के सबसे लोकप्रिय मुस्लिम नेता

हैदराबाद, 24 जून। कांग्रेस सांसद और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी को एक ट्विटर पोल के अनुसार भारत में सबसे लोकप्रिय मुस्लिम नेता घोषित किया गया है। जुबैर मेमन (जुबैर मीडिया) द्वारा ट्विटर पर कराए गए सर्वेक्षण में उपयोगकर्ताओं से वर्तमान में भारत के प्रमुख मुस्लिम राजनीतिक नेता के लिए वोट करने को कहा गया। विकल्पों में एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन औवेसी, एआईयूडीएफ के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल, समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान और कांग्रेस के राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी का नाम दिया गया था।

शनिवार को यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि आजम खान और बदरुद्दीन अजमल को क्रमशः केवल 1.9 प्रतिशत और 1.5 प्रतिशत वोट मिले। ट्विटर पोल नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुये तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष शेख अब्दुल्ला सोहेल ने कहा कि परिणाम स्पष्ट रूप से मुस्लिम समुदाय के बीच कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है।

यूरोप की नजरें रूस पर टिकीं, मौके का फायदा उठाने की फिराक में

यूरोपीय देश जी-7 के साथ सम्पर्क में हैं, जरूरत के मुताबिक रूस के खिलाफ नया मोर्चा खड़ा कर सकते हैं यूरोपीय देश

- रूस इस समय गृहयुद्ध की स्थिति में फंस गया है, राष्ट्रपति पुतिन के लिए काम करने वाले वैगनर लड़ाकों ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन के खिलाफ ही जंग छेड़ दी है।

मॉस्को, 24 जून। रूस इस समय गृहयुद्ध की स्थिति में फंस गया है, राष्ट्रपति पुतिन के लिए काम करने वाले वैगनर लड़ाकों ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन के खिलाफ ही जंग छेड़ दी है। वैगनर लड़ाकों को रोकने के लिए राष्ट्रपति पुतिन अपने ही देश में बम हमले करवा रहे हैं ताकि वैगनर लड़ाकों को रूस की ओर बढ़ने से रोका जा सके। वहीं इस पूरी स्थिति का यूरोप व पश्चिमी देश फायदा उठाने की फिराक में हैं। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल ने शनिवार को कहा कि वह रूस की स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं और यूरोपीय संघ के नेताओं और जी-7 भागीदारों के संपर्क में हैं।

मिशेल ने ट्विटर पर कहा, रूस में सामने आ रही स्थिति पर करीब से नजर रख रहा हूं। यूरोपीय नेताओं और जी-7 भागीदारों के संपर्क में हूं। यह स्पष्ट रूप से एक आंतरिक रूसी मुद्दा है।

फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो ने ट्विटर पर कहा कि उन्होंने रूस की स्थिति के बारे में अपने एस्टोनियाई और लातवियाई समकक्षों, काजा कैलास और क्रिस्जनिस कैरिन्स के साथ फोन पर बातचीत की। ओर्पो ने ट्वीट किया, तीनों प्रधानमंत्रियों ने करीबी सहयोग पर सहमति जताई। फिनलैंड के राष्ट्रपति साउली निनिस्तो ने भी रूस के घटनाक्रम पर टिप्पणी की। वहां की न्यूज एजेंसी (एसटीटी) ने निनिस्तो के हवाले से कहा, रूस में स्थिति स्पष्ट नहीं है, और बहुत सारी अपुष्ट जानकारी प्रसारित हो रही है। ये आंतरिक रूसी मामले हैं, जिन पर फिनलैंड और अन्य देशों द्वारा बारीकी से नजर रखी जा रही है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के संबोधन में स्थिति की गंभीरताको दर्शाया गया है।

मॉस्को में फिनलैंड के दूतावास का अनुमान है कि रूस में लगभग 200 फ़िनिश नागरिक हैं। नॉर्डिक देश का विदेश मंत्रालय अपने नागरिकों से रोस्तोव, वोरोनिश और बेलगोरोड क्षेत्रों को तुरंत छोड़ने का आग्रह कर रहा है, जबकि रूस की सभी यात्रा से बचने की उसकी सिफारिश मार्च 2022 से प्रभावी है। रूस के आपातकालीन मंत्रालय की क्षेत्रीय शाखा ने रोस्तोव क्षेत्र में कर्फ्यू लगाए जाने के संबंधित खबरों को निराधार बताया है और कहा है कि सोशल मीडिया पर फैलाई गई जानकारी झूठी है। रोस्तोव क्षेत्र के लिए रूस के आपातकालीन स्थिति मंत्रालय के मुख्य निदेशालय की ओर से टेलीग्राम संदेश में कहा गया, क्षेत्र में कर्फ्यू की लगाये के बारे में जानकारी प्रकाशित की जा रही है।

खड़गे की नई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रतिनिधित्व देकर अपनी नई टीम बनाएंगे। वे विपक्षी दलों के पटना कॉन्क्लेव का इंतज़ार कर रहे थे। नई टीम का गठन पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों और उसके बाद होने वाले लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखकर किया जाएगा।

पार्टी सूत्रों ने कहा कि, जिन राज्यों में चुनाव होने वाले हैं उनमें अनुभवी एवं वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेवारी दी जाएगी। बजाय ऐसे नए नेताओं को जिम्मेवारी देने के, जिन्हें राज्य की राजनीति को समझने में समय लगेगा।

सूत्रों ने कहा कि, पार्टी के आधा दर्जन राज्य अध्यक्षों के नामों पर अंतिम निर्णय हो चुका है, जिनमें महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु शामिल हैं तथा ये नाम शीघ्र घोषित कर दिए जाएंगे।

सूत्रों ने कहा कि, पचास से कम उम्र के युवाओं को 50 प्रतिशत पद देना मुश्किल है, लेकिन, महिला पदाधिकारियों की संख्या में इज़ाफा होगा।

कर्नाटक के बाद तमिलनाडू भी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनावों से पहले की इस अवधि में, केन्द्र द्वारा इन नीति का अपनाना केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा के लिये बहुत अच्छा प्रतीत नहीं हो रहा है। कांग्रेस केन्द्र के इस रूख को राजनैतिक मुद्दे का रूप दे ही चुकी है तथा उसने इसे जनता तक पहुँचा दिया हैं तथा भाजपा को चुनाव में हरा देने वाले लोगों के मूड को देखते हुये, यह कहा जा सकता है कि इस मुद्दे पर, वे लोग कांग्रेस के आरोपों पर पूरा-पूरा ध्यान देंगे।

तमिलनाडु में, जहाँ भाजपा अभी अपनी जड़ें जमाने की कोशिश कर रही है तथा राज्य के वोटरों तक पहुँने के लिये जबरदस्त प्रयास कर रही है, द्रमुक, भाजपा को पछाड़ने के मामले में इस सामान्य तथा वैध आर्थिक कारण को एक हथियार के रूप में काम में ले सकती है।

राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी, भाजपा को जनता के सामने ऐसे रूप में प्रस्तुत कर रही है कि यह उत्तर भारतीय हिंदी भाषी पार्टी है, जो तमिल एवं तमिलनाडु की भावनाओं के खिलाफ काम करती है, ऐसी स्थिति में, एफ.सी.आई. द्वारा राज्य को चावल बेचने से इंकार कर देने की बात को चर्चा का विषय बनाकर भाजपा को खलनायक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है।

अमेरिकन ड्रोन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साल पहले तक, विवादित सीमा पर नज़र रखने के लिए भारत इंसानी गश्ती दलों पर निर्भर था। लेकिन, उस युग में दोनों पड़ोसी देशों के संबंधों में तनाव कम था।

तथापि, 2020 में दोनों देशों के सुरक्षा बलों के बीच हुई घातक मुठभेड़ के बाद नई दिल्ली को झटका लगा तथा दोनों देशों के संबंधों में गहरी दरार आ गई और परिणामस्वरुप दोनों ने ही सीमा पर सैन्य बल, हथियार एवं निगरानी के उपकरणों की संख्या बढ़ा दी।

अमेरिका के प्यू रिसर्च सैन्टर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बढ़ा है, वहीं 11 प्रतिशत का मत है कि भारत का प्रभाव बढ़ा है। महिलाओं की तुलना में पुरूष इस राय से ज्यादा सहमत हैं कि भारत का प्रभाव बढ़ा है। कॉलेज डिग्री की तुलना में स्नातक या उससे अधिक शिक्षा वाले पुरूष भी मानते है कि भारत का प्रभाव बढ़ा हैं। अमेरिका में महिलाओं की तुलना में ज्यादा पुरूषों ने इस सवाल का जवाब दिया। अमेरिकन वयस्क जो अन्तर्राष्ट्रीय खबरों पर नज़र रखते है, उनका भी मत है कि भारत की ताकत बढ़ रही है।

हरियाणा में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर एवं भाजपा अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ ने, सिरसा में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की रैली के बाद हुई तीन घंटे की बैठक के बाद यह निर्णय लिया। पार्टी ने महसूस किया कि जे.जे.पी. मंत्रियों के कारण पार्टी की छवि गिरी है।

केजरीवाल ''कॉर्नर्ड'' हुए पटना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा कि ''बड़ी पार्टियों को उदारता एवं बड़प्पन दिखाना चाहिये। कांग्रेस को सीट-शेयरिंग व्यवस्था में खुलापन व लचीला रूख दिखाना चाहिए।'' नैशनलिस्ट पार्टी के दिग्गज नेता शरद पवार ने कहा कि विपक्ष को, सिर्फ चुनावों की खातिर नहीं बल्कि ''लोकतंत्र को बचाने'' के लिये मिलकर काम करना चाहिये।

बंगाल की मुख्यमंत्री तथा तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा के खिलाफ संयुक्त विपक्ष का केवल एक ही उम्मीदवार होना चाहिये क्योंकि यह लड़ाई भारत की जनता बनाम मोदी होगी।

तमिलनाडू के मुख्यमंत्री तथा द्रमुक (डी.एम.के.) के प्रमुख एम.के. स्टालिन ने कहा कि अलग-अलग राज्यों के लिये अलग-अलग फॉर्मूला होना चाहिये। उन्होंने राज्य की सबसे मजबूत पार्टी के नेतृत्व में राज्य वार गठबंधनों का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि अगर गठबंधन नहीं हो तो या तो सीट शेयरिंग हो या फिर भाजपा के खिलाफ विपक्ष का साझा उम्मीदवार चुनाव में उतरे। शिव सेना (यू.टी.बी.) नेता उद्धव ठाकरे ने अगले लोकसभा चुनावों को तानाशाही बनाम लोकतंत्र की लड़ाई की संज्ञा दी।

दिल्ली के मुख्यमंत्री तथा आप प्रमुख अरविन्द केजरीवाल ने कहा कि उनकी पार्टी विस्तृत विपक्षी एकता के हित में अन्य राज्यों में अपना विस्तार नहीं करने के लिये वचनबद्ध है। उन्होंने मांग की कि कांग्रेस दिल्ली अध्यादेश पर अपने निर्णय की घोषणा आज ही करे। पी.डी.पी. प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने अनुच्छेद 370 को रद्द कर दिये जाने तथा जम्मू-कश्मीर के दो हिस्से करके केन्द्र शासित प्रदेश बना दिये जाने का जिक्र करते हुये कहा कि जो कुछ कश्मीर में हुआ, वह केवल कश्मीर तक ही सीमित नहीं है, भाजपा ऐसा ही अन्य राज्यों में भी करेगी।

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी पार्टी एक बड़े राज्य की पार्टी है, इसलिये ''हम बड़ा दिल रखेंगे।''

उन्होंने कहा, ''हम सीट शेयरिंग या संयुक्त उम्मीदवार के मामले में उदार हैं। हम कांग्रेस विरोधी नहीं हैं। लड़ाई भाजपा से है।'' झारखंड के मुख्यमंत्री तथा जे.एम.एम. प्रमुख हेमंत सोरेन ने कहा कि पूरे देश में संयुक्त प्रचार अभियान होना चाहिये।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कांग्रेस समान विचार वाली पार्टियों के साथ खड़े होने के मामले में उदार है। लेकिन उन्होंने मीटिंग में कुछ मिनट पहले के आप प्रवक्ता के विवादास्पद बयान पर सवाल भी खड़ा किया। उन्होंने कहा, ''संसद के सत्र के दौरान, विपक्षी दल नियमित रूप से मिलते हैं तथा संयुक्त रणनीति तैयार करते हैं। आप पार्टी उन मीटिंगों में शामिल रही है, तो फिर इस अध्यादेश के लिये अलग किस्म का उपक्रम क्यों हो? भाजपा से लड़ने वाले गठबंधन के लिये यह पूर्व शर्त नहीं हो सकती।''

इसके बाद आप और कांग्रेस के बीच उत्तेजनापूर्ण कहा सुनी शुरू हो गई, जिसमें ममता बनर्जी तथा अन्य नेताओं ने हस्तक्षेप किया। कई नेताओं ने केजरीवाल को घेर लिया। उन्होंने अध्यादेश को लेकर कांग्रेस के रूख पर आप प्रमुख द्वारा इतना जोर दिये जाने पर सवाल खड़े किये।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि गठबंधन के बारे में उनकी पार्टी की खुली विचारधारा है हम अतीत को भूलने के लिए तैयार हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम पुरानी पसंद-नापसंदों को एक तरफ रख कर खुले मन से यहां आए हैं। हम सभी लचीले रहेंगे। हमें इस लड़ाई के लिये एक होना बहुत जरूरी है, भले ही इसके लिये कुछ भी करना पड़े।''

अंत में यह निर्णय लिया गया कि अगली मीटिंग शिमला में होगी तथा इसका आयोजन एवं अध्यक्षता कांग्रेस करेगी। शिमला की मीटिंग में इन पार्टियों के बीच सीट शेयरिंग की प्रक्रिया एवं क्रिया विधि पर चर्चा होगी तथा समान विचार वाले और भी दल आमंत्रित किये जायेंगे।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908